राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 105
अतीत
सुपर कमांडो ध्रुव
एक आकर्षक स्टीकर मुफ्त

©RAJ POCKET BOOK

संचार- क्रान्ति के इस युग में, यह खबर जंगल की आग की तरह फैल गई-
लूका, बुल्ल आई और बी-एई तक भी खबर पहुंचते देर नहीं लगी- -
सुपर कमांडो ध्रुव एक सनसनीखेज हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार हो गया है। उसके शिकार मिस्टर जैकब की हालत गंभीर मगर स्थिर है।...
अस्पताल में जिन्दगी और मौत से जूझ रहा है।
चलो! कोई अच्छी खबर सुनने को तो मिली। सुपर कमांडो ध्रुव अपने- आप जेल पहुंच गया!
लेकिन हमारा मकसद तो अधूरा रह गया, बुल्ल आई! जब तक ये बादले वाली मौत मरता नहीं, तब तक हम जायदाद बेच नहीं पाएंगे...
लेकिन हम तो यहां से जा रहे हैं! अंतर्राष्ट्रीय समुद्र में खड़ा जहाज हमारा इन्तजार कर रहा होगा। वैसे भी हमारा सिटी हॉस्पिटल जाकर जैकब को मारना अब खतरे से खाली नहीं है।
अब इसको मारना और भी मुश्किल हो गया है लूका! क्योंकि अब यह पुलिस हिरासत में है।
एक ही रास्ता है। अगर जैकब मर जाए तो ध्रुव फांसी पर लटक जाएगा, और हमारा रास्ता साफ हो जाएगा।
जैकब को हम नहीं मारेंगे। उसके लिए हम किसी प्रोफेशनल किलर का इस्तेमाल करेंगे!
और जब जैकब दम तोड़ रहा होगा, हम स्पेन में उतर चुके होंगे!

और ध्रुव, जैकब या अपने- आपको बचाने के लिए कुछ नहीं कर सकता। क्योंकि वह सलाखों के पीछे अपनी जमानत होने का इन्तजार कर रहा होगा... जो कभी नहीं होगी!
षड्यंत्र का जाल बुना जा चुका था-
अब सिर्फ आखिरी टांका लगाने की जरूरत थी-
न जाने जैकब पर कब तक पहरा देना पड़ेगा? सेहत-सेहत मरीज आवत हैं कि दिमाग खराब हुई जाए!
बीड़ी भी नहीं पी सकते यहां पर...
...और लो! एक और स्ट्रेचर पर लदकर आ रहा है...
...बंदूकें पीछे कर लो...
...कहीं कोई टकरा गया तो बंदूक दग जाएगी।
लेकिन बंदूक दगने की नौबत नहीं आई-
क्योंकि असावधान पुलिस वाले...
...गुंडों की चाल का शिकार हो चुके थे-
तड़ाक

बिना एक भी शब्द बोले तीनों जैकब के कमरे में प्रवेश कर गए–
चांद की रोशनी में जैकब का पीला पड़ चुका चेहरा चमक रहा था–
हथियारों की जरूरत नहीं है।
इसके बदन पर लगी ट्यूबें खींच लो। यह ऐसे ही मर जाएगा।
ट्यूबें खींच ली गईं–
और जैकब का पीला चेहरा, पत्थर सा सख्त पड़ गया–
सांस नहीं आ रही है। मर गया बुड्ढा।
अब निकल लो। काम हो गया...
...अरे! लाइट किसने जलाई?
मैंने!
स... सुपर कमांडो ध्रुव?
मगर तुम तो जेल में?..
कट

यह खबर सिर्फ इसलिए फैलाई गई थी, ताकि तुम लोग रास्ता साफ समझकर जैकब पर हमला करने की मूर्खता करो! ...
... वैसे मैं तो यहां किसी और का इन्तजार कर रहा था ... तुम जैसे मामूली गुंडों का नहीं!
मामूली गुंडे? हाहाहा! तेरे सामने ही हमने जैकब को मार दिया और तू कुछ नहीं कर पाया!
जैकब को मारने की मेहनत तो तुमने बेकार ही की! ...
... क्योंकि उसका गला तो पहले से ही कटा हुआ था।
य... यह क्या?
यह तो... यह तो मोम का बना हुआ सिर है।
मोम का? यानी यह हमको फंसाने की चाल थी। हमारा पहले से ही इन्तजार किया जा रहा था, बदमाश!
हां, मूर्खो! अंकल जैकब तो दूसरे कमरे में सुरक्षित हैं। इस कमरे के बाहर सिक्योरिटी इसीलिए बैठाई गई थी ताकि तुम लोग इसी कमरे को असली मंजिल समझकर अपने-आप जाल में चले आओ!

अब तुम लोग मुझे बताओगे कि तुम लोगों को यहां पर भेजने वाला कौन था, और इस वक्त वह कहां पर है?
वो चाहे जहां हो, ध्रुव... लेकिन अगले पल तू जरूर...
...नर्क में होगा... आऽऽऽह!
नर्क में तो तुम लोग पहुंचोगे। जेल की अंधेरी कालकोठरी के नर्क में।
बता! वर्ना वहां पहुंचने लायक भी नहीं छोड़ूंगा...
...यहीं अस्पताल में परमानेंट भर्ती करा दूंगा।
कहां फंसा दिया बादशाह? ध्रुव से पिटकर मुझे हड्डियां नहीं तुड़वानी... हमको एक लम्बे-चौड़े गंजे ने इस जेलर को मारने के लिए पचास हजार रुपए दिए थे। वह... वह विदेशी लहजे में बात कर रहा था।
विदेशी लहजे में? वह जरूर लूका होगा।...
...उसके साथ कोई और भी था क्या?

हां! दो लोग और थे। एक सिर पर टोप पहने था, और आंखों पर अजीब-अजीब चीजें लगाए था। और दूसरा मोटा सा था। कंधे पर एक छोटा सा लबादा पहने हुए।
मैं समझ गया वे लोग कौन थे! कहां पर मिले थे ये लोग तुमसे?
बन्दरगाह में एक प्राइवेट शिप पर। वे लोग कहीं बाहर जा रहे थे।
ओह! चिड़िया उड़ गई!
ध्रुव साहब! अब गिरफ्तार कर लें इन तीनों को?
हां! मेरा काम तो हो गया!
तु... तुम लोग भी बेहोश नहीं हुए थे?
नहीं, भईया! हम सोचा कि ध्रुव भईया का नाटक में हमहू छोटा-मोटा रोल कर लें। ठीक है न? अब चलो!
तुमका बड़े घर पहुंचाय आवें।
तीनों गुंडों के जाने के बाद-
तुम्हारा प्लान कामयाब रहा, ध्रुव!...
...तीनों हत्यारे अपने आप जाल में फंस गए।
लेकिन ये तीन वे नहीं हैं डैड, जिनकी मुझे तलाश थी। वे तो शायद शहर छोड़कर जा चुके हैं!...

लेकिन तुम्हारा काम तो पूरा हो गया ध्रुव ! इस हमले से यह साबित हो गया है कि जैकब की जान लेने की कोशिश करने वाले कोई और लोग हैं। तुम नहीं।
और इसकी गवाही हम सब पुलिस वाले भी देंगे।
इससे तो मैं बरी हो जाऊंगा पापा ! वैसे भी जैकब होश में आने पर मेरे हक में ही बयान देते।
लेकिन अब शायद मैं जैकब से यह कभी नहीं जान पाऊंगा कि मेरे पिता इथान को नाम बदलने पर मजबूर क्यों होना पड़ा। और उन्होंने आखिर किया क्या था ?
तुम्हारे बताए अनुसार यह बात तो शायद जैकब को भी नहीं मालूम है। इसीलिए उसके होश में आने का इन्तजार करने की जरूरत नहीं है।...
... वैसे भी तुम पहले ही कह चुके हो कि तुम्हारे सवालों का जवाब फ्रांस में मौजूद है। और जब तक तुम अपने अतीत को जान नहीं लेते, तब तक तुम चैन से नहीं बैठ पाओगे।...
... इसलिए तुम तुरन्त फ्रांस के लिए रवाना हो जाओ। मैं आधिकारिक रूप से तो नहीं पर व्यक्तिगत रूप से तुम्हारी काफी मदद कर सकता हूं।...
... मेरे कुछ मित्र वहां पर पुलिस अधिकारी हैं। वे तुम्हारी सहायता करेंगे।...
... तुम कल ही अपना वीसा बनवाकर फ्रांस रवाना हो जाओगे!
थैंक्यू, पापा! थैंक्यू! पर जाने के पहले मैं आपको बताना चाहता हूं कि चाहे मैं अपना अतीत ढूंढ पाऊं या नहीं, मेरे लिए मेरे पिता की जगह पर हमेशा आप ही रहेंगे!
मैं जानता हूं बेटे, मैं जानता हूं।
इधर ध्रुव के जाने की तैयारी हो रही थी...

और उधर कोई प्रांस पहुंच चुका था–
किसी के गुस्से का सामना करने के लिए
सॉरी, जिवसा!
सॉरी? मूर्ख! गधे! पाजी!
तुमने बिना मुझसे पूछे ऐसा कदम क्यों उठाया? मुझे अगर पता होता कि तुम सुपर कमांडो ध्रुव को मारने जा रहे हो तो मैं तुमको कम से कम सौ हथियारबन्द आदमियों के साथ भेजता!
ध्रुव को मारने का आइडिया मेरा नहीं, अकरी का था। और वैसे भी, उस छोकरे में ऐसी क्या खासियत है?
वह 'छोकरा' नहीं है, हमारे लिए शैतान का अवतार है। तबाही का दूत!
पहले भी वह हमको धंधे में काफी नुकसान पहुंचा चुका है!
हमको धंधे में नुकसान? वह कैसे जिवसा?
वह हमें, या हम उसे तो जानते तक नहीं थे!
ग्रैंडमास्टर रोबो को तो जानते हो न? कुछ साल पहले तक वह हमारा सबसे बड़ा ग्राहक हुआ करता था। करोड़ों का मुनाफा कमाते थे उससे। लेकिन ध्रुव ने रोबो के साम्राज्य को ऐसा तहस-नहस किया कि कुछ दिनों तक उसके पास एक बंदूक खरीदने तक के पैसे नहीं थे!
और तुम उसी ध्रुव को मारने चले गए, जिसे रोबो जैसा आतंकवादी भी एक घाव तक नहीं लगा सका...
...तुमने बर्रे के छत्ते को छेड़ दिया है लूका! अब वह तुमको ढूंढता हुआ यहां तक जरूर आएगा।

... और देर-सबेर इसको ढूंढ ही निकालेगा। और इस वक्त हम ध्रुव को यहां पर किसी भी कीमत पर नहीं चाहते। क्योंकि हम अपनी जिन्दगी का सबसे बड़ा कारनामा करने जा रहे हैं।
कैसा कारनामा जिगसा? मैंने पीछे से आपने कौन सा प्लान बनाया है?
फ्रांस सरकार की 'जेनेटिक्स रिसर्च लेबोरेटरी' में एक नया आविष्कार विकास के अंतिम चरण में है!
हमें उसको वहां से उड़ाकर उसे अपनी लेबोरेटरी में डेवलप करना है। और अगर यह ऑपरेशन सफल हो गया, तो हमको शायद इतने पैसे मिल जाएंगे कि इस स्टेट को बेचने की जरूरत भी न पड़े
इसीलिए मैं इस ऑपरेशन के दौरान किसी भी किस्म की गड़बड़ी नहीं चाहता।
ध्रुव नाम की गड़बड़ तो बिल्कुल भी नहीं।
उसकी चिन्ता छोड़ दो जिगसा...
... वह तो इस वक्त जेल में सड़ रहा है। और जल्दी ही वह फांसी पर भी लटक जाएगा।
तुम पैकट की तरफ इशारा कर रहे हो न जुडा? मेरे पास सारी रिपोर्ट आ चुकी है। पैकट नहीं मरा है। ध्रुव भी आज़ाद घूम रहा है। और उसने पैकट के जरिए फ्रांस के ड्यूक से सम्पर्क भी कर लिया है
अपनों के खून से हाथ नहीं रंगने जुडा, वैसे भी हम लोग आने वाले दिनों में काफी व्यस्त रहने वाले हैं।
ध्रुव को खत्म करने का काम सांप्रे को सौंपते हैं उसके आदमी ये काम करेंगे।
यानी ... यानी वह फ्रांस आ रहा है ...
... तब तो मैं उसकी चिता वहीं पर जलाऊंगा।
उसको सिर्फ इतना बता देना कि अगर ध्रुव फ्रांस तक जिन्दा पहुंच गया तो सांप्रे अपने घर मरा पहुंचेगा।

ध्रुव के अतीत के विषैले सर्पों ने फन फैलाना शुरू कर दिया था। और किसी को यह आभास नहीं था कि ये सर्प ध्रुव को कब और कैसे डसेंगे-
इस फ्लाइट पर आप सबका स्वागत है। पेरिस तक की यह दूरी हम नौ घंटे दस मिनट में तय करेंगे!
आप क्या लेंगे ध्रुव सर? कहवा या व्हिस्की?
सिर्फ एक पेप्सी, प्लीज़।
पेप्सी की चुस्कियों के साथ ध्रुव के दिमाग में वह सारा घटनाक्रम ताज़ा होने लगा, जिसके कारण उसे पेरिस का सफर करना पड़ रहा था-
यह सारी गड़बड़ उस फोन कॉल से शुरू हुई थी, जो ध्रुव के पास एक विदेशी लड़की से बात करने वाले अंजान आदमी ने की थी-
क्या बकवास कर रहे हैं आप? मेरे पिता का
...ठीक है मैं आर्टीफिशियल
आर्टीफीशियल बैंक कॉल पर ध्रुव की मुलाकात
से हुई-

'हुल्क आई' को ध्रुव ने बिजली और अपने 'कट आउट' की मदद से परास्त कर दिया-
और इससे पहले कि वह रहस्यमय नकाबपोश भी इस लड़ाई में 'हुल्क आई' की मदद कर पाता...
...न जाने कहां से एक गुरिल्ला, ध्रुव की मदद के लिए घटनास्थल पर आकर नकाबपोश से टकरा गया-
पर नकाबपोश में भी प्रभावशील शक्ति थी-
वह गुरिल्ले का बखूबी से जमकर कड़ा मुकाबला कर रहा था-
इसी दौरान ध्रुव ने एक रहस्यमय क्रेट-हैट धारी को जल प्रपात के ऊपर खड़े देखा। वह उसे ढूंढने के लिए ऊपर लपका-
लेकिन वह शख्स वहां से गायब हो चुका था
उधर वह नकाबपोश, गुरिल्ले को बेहोश करके और हुल्क आई को वहां से लेकर फरार हो चुका था-
ध्रुव ने गुरिल्ले को अस्पताल में भर्ती करा दिया-
आह!
?
और कमांडो हेडक्वार्टर पहुंचकर करीम को रघुवंशी नाम के अपराधी की फाइल को तलाश करने को कहा-

'बुलसआई' और नकाबपोश से लड़ाई के दौरान, ध्रुव को उन दोनों के ही विदेशी होने का पता लग गया था। इसीलिए उसे अपने पिता श्याम उर्फ रघुवंशी के फ्रांस का फरार अपराधी होने की बातों में सच्चाई नजर आ रही थी। और करीम ने जल्दी ही इस सच्चाई को ध्रुव के सामने ला दिया-
ये रही रघुवंशी की फोटो ध्रुव! पच्चीस साल पुरानी इंटरपोल की फाइल में मिली है। हत्या का आरोप है इस पर।
ओ गॉड, ये तो मेरे पिता श्याम की फोटो है।
और पीछे दिख रही एफिल टॉवर से साफ पता चल रहा है कि यह तस्वीर फ्रांस की राजधानी पेरिस में खींची गई थी, ...
...और जहां तक मैं जानता हूं, मेरे पिता श्याम कभी हिन्दुस्तान से बाहर नहीं गए। ...
... इस फाइल के साथ... रघुवंशी के कुछ पहचान चिन्ह भी हैं ...
... अब अगर कहीं से पिताजी के पहचान-चिन्ह मिल सकें तो दोनों का मिलान किया जा सकता है!
ध्रुव की यह परेशानी दूर कर दी वैशाली नाम की एक रिपोर्टर ने। जुपिटर सर्कस पर आर्टिकल लिखते-लिखते उसके हाथ श्याम के 'डेंटल प्रिंट्स' यानी दांतों की प्रतिलिपि लग गई थी-
और तब ध्रुव पर गिरी वह बिजली। जब करीम ने रघुवंशी और श्याम के दांतों के निशान का मिलान करके यह बताया कि—
ये दोनों निशान एक ही आदमी के हैं ध्रुव।
नहीं... मेरे पिता श्याम ही रघुवंशी हैं। एक फरार हत्यारे। नहीं, यह नहीं हो सकता। मेरे पिता हत्यारे नहीं हो सकते।

तभी ध्रुव को एक और झटका देने वाली खबर मिली-
मैं इंस्पेक्टर खन्ना बोल रहा हूं, ध्रुव, सिटी हॉस्पीटल से। वहां पर वह गुरिल्ला भर्ती है उसके शरीर पर हमको एक निशान मिला है। गोले में बना 'जे' का निशान।
ओह! यह निशान तो जुपिटर सर्कस के जानवरों पर लगा होता था।
मैं अभी हॉस्पीटल पहुंचता हूं इंस्पेक्टर खन्ना।
अस्पताल में ध्रुव की मुलाकात एक बार फिर उस रहस्यमय हैटकोटधारी से हुई, जिसे ध्रुव ने वॉटर फॉल पर देखा था-
वह भी शायद गुरिल्ले से ही मिलने आया था, और मुसीबत में था-
क्योंकि उसके सामने ही पर्ल नाम का एक ऐसा कातिल था, जिसकी दाढ़ी के ऊपर जहरीले डंक वाली मक्खियां चिपकी हुई थीं। और उन मक्खियों को उसने पूरे हॉस्पीटल में फैला रखा था-
ओहो, कैसे यह मरने ही चला आया था ध्रुव!
ध्रुव ने भी पर्ल को झटका तो दे दिया, लेकिन बेहोश होने से पहले ही पर्ल ने एक खास सीटी बजाकर सारी मक्खियों को ध्रुव के पीछे लगा दिया-
ध्रुव, उस हैटकोटधारी के साथ बगल में ही बने स्टोर रूम में घुस गया। और वहीं पर उसे मिला एक सुखद आश्चर्य-
आप... आप अंकल जोकर हैं! जुपिटर सर्कस के मालिक जोकर!

जैकब ने ध्रुव को जुपिटर सर्कस की अग्नि से बच निकलने का किस्सा सुनाया-
... दुर्घटना ने मुझे आग में से बचाकर निकाल लाया और बेहोश अवस्था में मुझे लेकर समुद्र तट पर खड़ी एक नाव में बैठ गया। काकातुआ तोता भी मुझे ढूंढता हुआ नाव तक आ गया। उसने फ्रांस जा रहे एक जहाज को ढूंढ निकाला। और इस तरह से मैं फ्रांस पहुंच गया अपने घर।
पूरी तरह से ठीक होने में मुझे तीन साल लग गये और तब मैं उस सामान को चेक कर पाया जिसे भारत सरकार ने मेरे फ्रांस के स्थायी पते पर भिजवा दिया था...
... उसी सामान में वह संदूकची थी, जो श्याम के हाथों से उस वक्त थी, जब वह मुझे घायल अवस्था में मिला था। फ्रांस के शहर ल्योन में। जुपिटर सर्कस तब वहीं पर चल रहा था।
घायल अवस्था में? पर कैसे?
गोलियों का घाव था सिर में, पुलिस और गुंडे दोनों ही उसके पीछे पड़े थे। मैं उसे बचाकर अपने ले आया ...
... उसका घाव तो ठीक हो गया, पर उसकी याद चली गयी। वह अपना असली नाम तक कहीं नहीं बता पाया और न ही गोली लगने का कारण।
उस संदूकची में क्या था?
श्याम की फोटो थी। शायद उसके परिवार के साथ। बैकग्राउंड में एक आलीशान इमारत भी थी।
मैं उसी आलीशान इमारत ... पर वहां पर कुछ संदिग्ध लोगों को देखता हुआ फिर मैं ... की सूरतें देखकर मैं अन्दर नहीं गया। काकातुआ को मैंने उनके पीछे लगा दिया बातें सुनने के लिए। और तब मुझे पता चला वह षड्यंत्र जो तुमको करने के लिए बनाया जा रहा था...
आ पहुंचा ...

मैं तुरन्त वापस भागता आया। तुम्हारे पास आने के लिए।
क्या था वह षड्यंत्र अंकल जैकब? किसने रचा था?
इससे पहले कि जैकब कुछ बोल पाता...
...उसकी जुबान खामोश हो गई-
लूका!
अब और आगे तू नहीं बोल पाएगा बुड्ढे।
जैकब के पेट में चाकू आ धंसा-
और इस दृश्य ने ध्रुव को पागल कर दिया। वह लूका पर टूट पड़ा और लूका को भाग निकलने पर मजबूर हो जाना पड़ा-
ध्रुव ने जैकब के पेट से चाकू निकाला-
पर उसी वक्त पुलिस के घटनास्थल पर पहुंच जाने के कारण उसे ही हत्यारा मान लिया गया-
और तब उसे बचाने का सबूत लेकर आए डॉक्टर-
यह त्वचा का टुकड़ा जैकब के नाखून में फंसा था। और यह न ध्रुव की त्वचा है और न ही जैकब की!
हमने इस त्वचा के सेम्पलों की 'डी. एन. ए.' टेस्टिंग करी है, और उससे यह पता चला है...
...कि जिस व्यक्ति की त्वचा का यह टुकड़ा है वह ध्रुव का नजदीकी रिश्तेदार है!
यानी लड़ाई के वक्त तीसरा आदमी भी स्टोर रूम में मौजूद था।...
...और हां! एक बात और!
रहस्यों के साए गहराते जा रहे थे। और इन पर रोशनी डाल सकने का सिर्फ एक ही रास्ता था ध्रुव के सामने-

फ्रांस जाकर या तो अपने पिता
की बेगु साबित करने का-
और या इस सच्चाई को
स्वीकार करने का कि उसके
एक कसाई का खून
है-
कि उसके ख्यालों से निकलने के लिए वह तैयार
थी-
ध्रुव, ख्यालों में इतना गहरा डूब गया था-
जो उस समय डॉमिनिक के गले से निकली थी, जिसकी
गर्दन पर बन्दूक की नाल कर रही थी-
खबरदार, जो कोई अपनी जगह
से हिला सभी चुपचाप बैठे रहें।
एक मुसाफिर अपनी सीट से खड़ा हो
...
ओह, यानी मेरे दुश्मनों की पहुँच काफी
गहरी है उनको न केवल यह मालूम है कि
मैं कहाँ और कैसे जा रहा हूँ, बल्कि उन्होंने
एक जल्लाद भी सफर पर साथ में
भेज दिया
...हूँ!
तो...

ओह! मैं पहचान गया। हां, तू ही है कलांड्डो ध्रुव, लेकिन ये तेरे हाथ में क्या है? फेंक दे इसे नीचे!...
...मुझे बताया गया है कि तू बहुत खतरनाक है।
खतरनाक? हो सकता है। वैसे इस बोतल में पेप्सी है। और कुछ नहीं।
हां! डॉक्टर जरूर कहते हैं कि ये सेहत के लिए खतरनाक होती है। क्योंकि इसमें गैस भी होती है। देखो, बोतल को हिलाओ तो गैस निकलने लगती है।
और अगर इस वक्त बोतल का मुंह खोल दिया जाए तो पेप्सी की धार प्रेशर से बाहर निकलती है। देखो ऐसे।
डॉक्टर सही कहते हैं। पेप्सी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती। दांत जल्दी गिर जाते हैं
चलो। दुश्मनों का एक षड्यन्त्र तो विफल हुआ।
इतनी जल्दी नहीं...

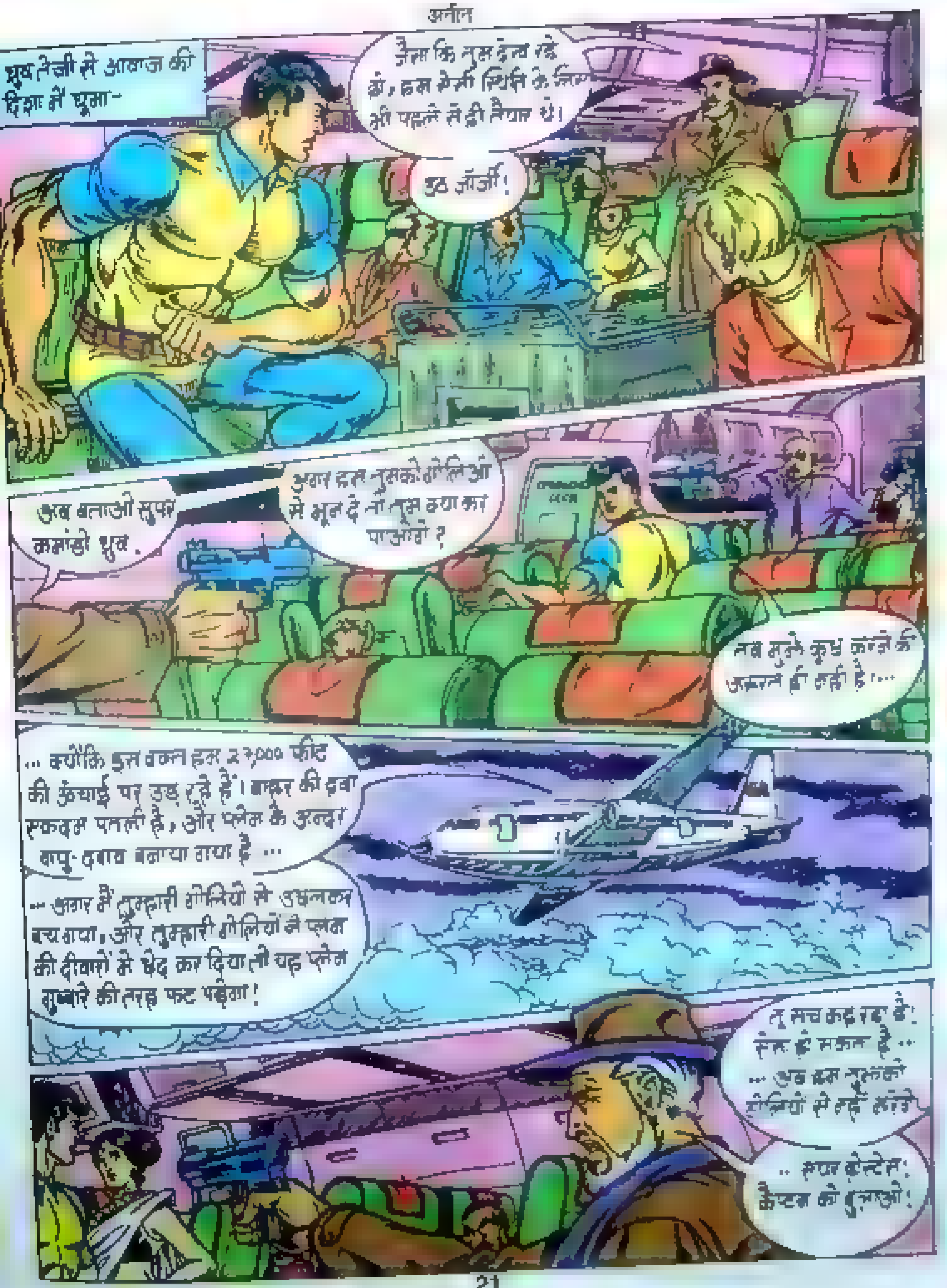
ध्रुव तेजी से आवाज की दिशा में घूमा–
जैसा कि तुम देख रहे हो, हम ऐसी स्थिति के लिए भी पहले से ही तैयार थे।
उफ जॉर्जी!
अब बताओ सुपर कमांडो ध्रुव.
अगर हम तुमको गोलियों में भून दें तो तुम क्या कर पाओगे?
तब मुझे कुछ करने की जरूरत ही नहीं है!...
... क्योंकि इस वक्त हम 27,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहे हैं। बाहर की हवा एकदम पतली है, और प्लेन के अन्दर वायु-दबाव बनाया गया है ...
... अगर मैं तुम्हारी गोलियों से उछलकर बच गया, और तुम्हारी गोलियों ने प्लेन की दीवारों में छेद कर दिया तो यह प्लेन गुब्बारे की तरह फट पड़ेगा!
तू सच कह रहा है! ऐसा हो सकता है ... ... अब हम तुमको गोलियों से नहीं मारेंगे
कैप्टन को बुलाओ!

यह क्या तमाशा है ? हथियार डाल दो। वर्ना एक अन्तर्राष्ट्रीय प्लेन को हाईजैक करने की सजा तो जानते ही होगे तुम!
भाषण नहीं, कैप्टेन काम करो। प्लेन को इतनी नीचे ले चलो, जहां पर इमर्जेन्सी डोर खोलने से कोई फर्क न पड़े!
इमर्जेन्सी डोर खोलना है :
पर क्यों ?
क्योंकि मिस्टर ध्रुव को आत्महत्या करनी है
इनको उड़ते प्लेन से बिना पैराशूट के कूदना है।
भला मैं ऐसा क्यों करूंगा ?
इन यात्रियों की जान बचाने के लिए अगर तू दरवाजा खोलकर न कूदा, तो मैं हर तीन सैकेंड में एक यात्री को मारता जाऊंगा।
नहीं, कैप्टेन, प्लेन को नीचे ले चलो।... मैं कूदूंगा!
पागल हो गए हो ध्रुव ! जान बूझ कर मौत के मुंह में कूदना चाहते हो?
मैं अपनी जान को किसी दूसरी जान की आड़ में नहीं छिपा सकता कैप्टेन!
अगर मौत ऐसे ही आनी है, तो ऐसे ही सही!
कैप्टेन भी मजबूर था, और ध्रुव भी प्लेन लगभग चार हजार फीट की ऊंचाई पर उतर आया-
दरवाजा खोलो

पहले से ही डरे लोग एकदम स्तब्ध हो गए
ध्रुव सचमुच प्लेन से कूदने जा रहा था–
वे सचमुच बहादुर होते हैं, जो दूसरों की तरफ बढ़ती मौत को ललकार कर अपनी तरफ बुला लेते हैं–
हवा में गिरता ध्रुव का शरीर, तेजी से सभी की निगाहों से ओझल हो गया–
हा हा हा। कामयाबी! कामयाबी! खत्म हो गया सुपर कमांडो ध्रुव। अब जब उसका शरीर जमीन से टकराएगा, तो यह पता नहीं चलेगा कि हाथ कहां गिरा है और पैर कहां?
बाल-बाल बचे। मैंने तो साफ कह दिया था कि या तो ध्रुव बचेगा या हम लोग।
कैप्टेन, हमारा जहाज को हाईजैक करने का कोई इरादा नहीं है। तुम जहाज को 'फॉल्कन आईलैंड' की तरफ ले चलो। वहां की प्राइवेट हवाई पट्टी पर यह जहाज उतर सकता है। हम वहां पर जहाज से उतर जाएंगे!
उसके बाद हम अपने रास्ते और तुम अपने रास्ते।
कम ऑन, हरी अप!
भरी हुई बन्दूकों के सामने बहस नहीं की जाती। पश्चिम दिशा की तरफ जा रहा प्लेन अपना रास्ता बदलकर पूर्वी दिशा की तरफ फिर से बढ़ने लगा–
अब सफर है सीधा 'फॉल्कन आईलैंड' की तरफ–

लेकिन युवकी मौत के साथ, अपहरणकर्ताओं के लिए मुश्किलों का दौर खत्म नहीं हुआ था–
जी हाँ, कुछ गड़बड़ जरूर है।
अभी ये यहाँ इस तरह दिख रही थी अब गुमशुदा हो गई है
ठीक कह रहा है तू, जरा कैप्टन के पास जाकर पता तो कर कि कहीं वह किसी दूसरी दिशा में तो नहीं जा रहा
अगर अब भी चालाकी की तो उसका दूसरा कान काट देना, फिर भी न माने तो मार्ग, अब जा.
जॉनी, कॉकपिट में घुस गया–
और कुछ ही सेकंड बाद 'फूड ट्रॉली' लेकर एयर होस्टेस बाहर निकली–
ये तू कहाँ जा रही है? जॉनी कहाँ है?
वे कैप्टन के पास खड़े हैं! उन्होंने कहा है कि आपको शैम्पेन दे आऊँ!
ये काम तो उसने बड़ा अच्छा किया, लेकिन ये कोई समय तो नहीं है तुम्हारी! पहले जॉनी को बुलाओ!
कुछ ही पलों बाद जॉनी दरवाजे पर खड़ा था–
आहा! ये रहा जॉनी एकदम ठीक ठाक, ले आ शैम्पेन!

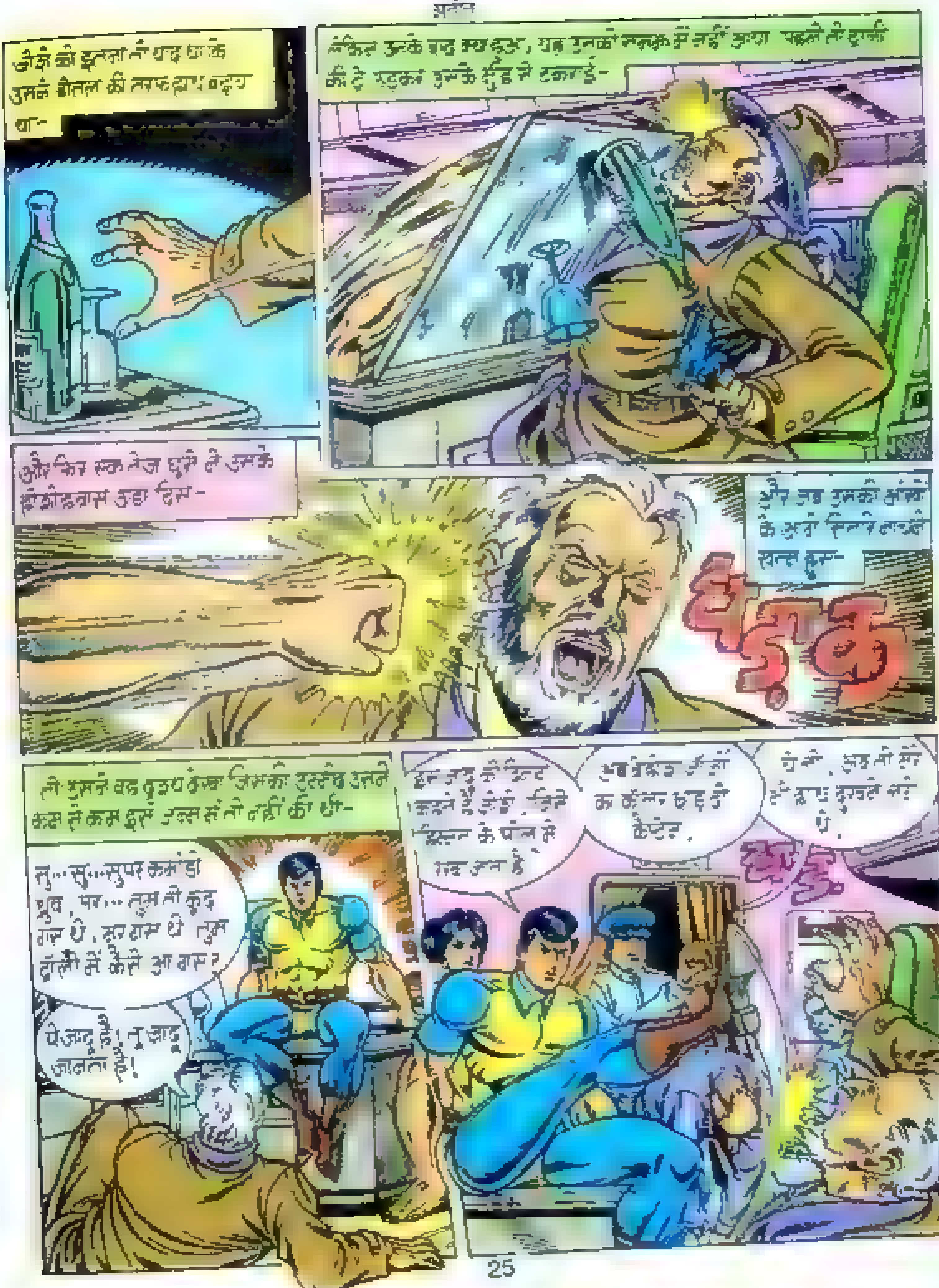
लेकिन उसके बाद क्या हुआ, यह उनकी समझ में नहीं आया. पहले तो ट्रॉली की छत उड़कर उनके मुँह से टकराई-
और फिर एक तेज घूंसे ने उनके होश-हवास उड़ा दिए-
धड़ाक
तो उसने वह दृश्य देखा जिसकी उम्मीद उसने कम से कम इस जन्म में तो नहीं की थी-
सु... सु... सुपर कमांडो ध्रुव, पर... तुम तो कूद गए थे, गायब थे तुम ट्रॉली में कैसे आ गए?
ये जादू है! तू जादू जानता है!

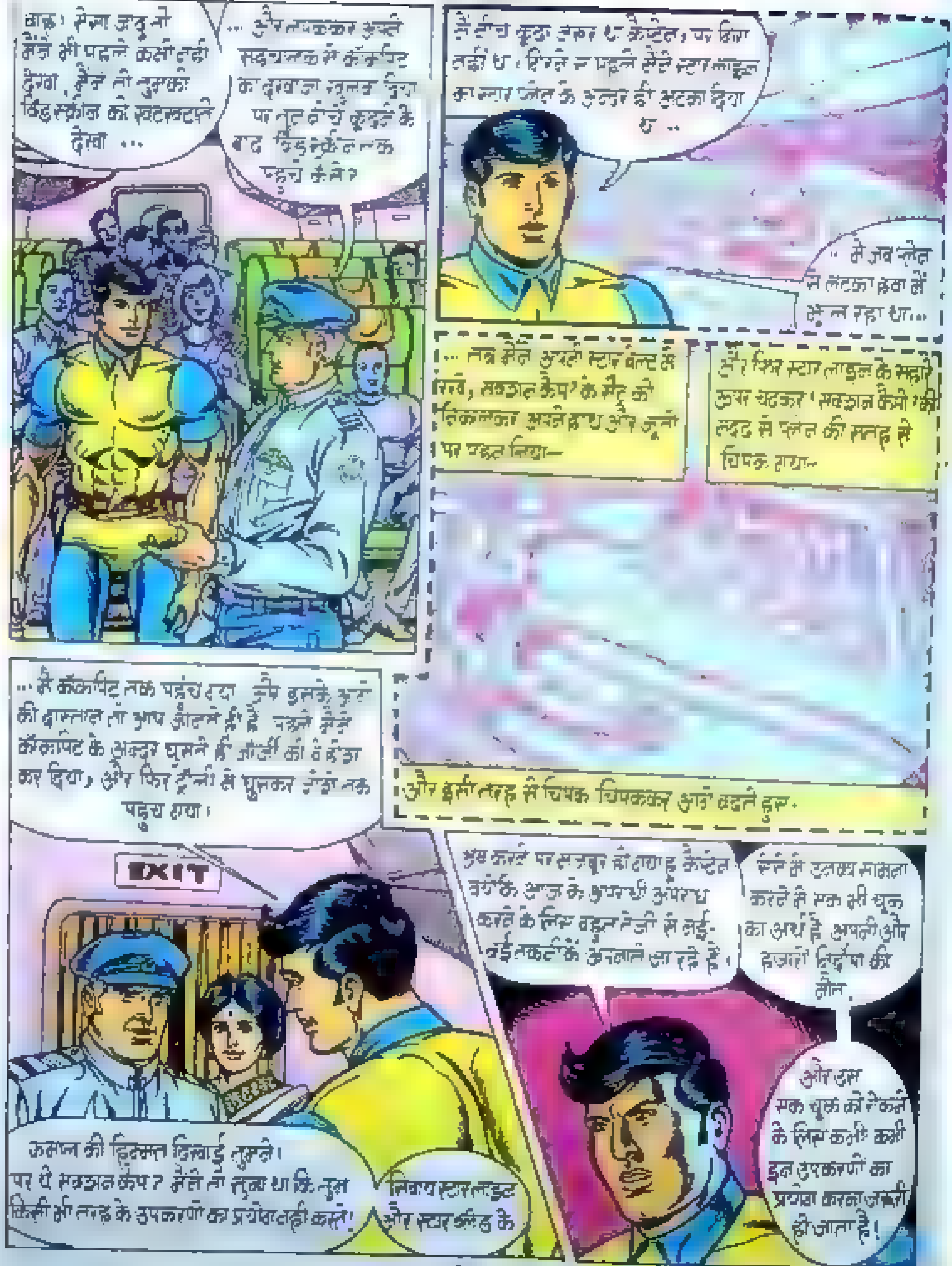
ओह! ऐसा जादू तो मैंने भी पहले कहीं नहीं देखा, मैंने तो तुमको विंडस्क्रीन को खटखटाते देखा ...
... और लगभग तुरंत सहचालक ने कॉकपिट का दरवाजा खुलवा दिया पर तुम ऊँचे कूदने के बाद विंडस्क्रीन तक पहुँचे कैसे?
मैं ऊँचा कूदा जरूर था कैप्टेन, पर गिरा नहीं था। गिरने से पहले मैंने स्टार लाइन का स्टार ब्लेड के ऊपर ही अटका दिया था ...
... मैं जब प्लेन से लटका हवा में झूल रहा था...
... तब मैंने अपनी स्टार बेल्ट में रखे, 'सक्शन कैप' के सेट को निकालकर अपने हाथ और जूतों पर पहन लिया—
और फिर स्टार लाइन के सहारे ऊपर चढ़कर 'सक्शन कैप्स' की मदद से प्लेन की सतह से चिपक गया—
और इसी तरह से चिपक चिपककर आगे बढ़ते हुए।
... मैं कॉकपिट तक पहुँच गया और उसके आगे की दास्तान तो आप जानते ही हैं पहले मैंने कॉकपिट के अन्दर घुसने की जाली को ढीला कर दिया, और फिर उसी से घुसकर अंदर तक पहुँच गया।
EXIT
कमाल की हिम्मत दिखाई तुमने। पर ये सक्शन कैप? मैंने तो सुना था कि तुम किसी भी तरह के उपकरणों का प्रयोग नहीं करते!
सिवाय स्टार लाइट और स्टार ब्लेड के
ऐसा करने पर मजबूर हो गया हूँ कैप्टेन क्योंकि आज के अपराधी अपराध करने के लिए बहुत तेजी से नई-नई तकनीकें अपनाते जा रहे हैं।
ऐसे में उनका सामना करते हुए एक भी चूक का अर्थ है अपनी और हजारों निर्दोषों की मौत।
और उस एक चूक को रोकने के लिए कभी कभी इन उपकरणों का प्रयोग करना जरूरी हो जाता है!

असफलता का तो सवाल ही नहीं उठता, मार्सेल!
अपने पूर्व निर्धारित समय में आ रही है। फ्लाइट गेट नंबर २५ पर आएगी!
ये... ये कैसे?
मूर्ख! तुमसे एक काम भी सही तरीके से नहीं हो सकता. अब तेरे आदमी पुलिस की हिरासत में सब-कुछ उगल देंगे!
चटाक
DEPARTURE
DEPARTUR

इस अभियान पर जाने से पहले मैंने अपने आतंकियों को एक ऐसा ज़हरीला कैप्सूल, विटामिन बताकर खिला दिया था जिसके ज़हर का असर 36 घंटे बाद होना है।
अगर हम अपने में सफल होकर वापस आते तो मैं उनको इस ज़हर की काट खिला देता लेकिन अब वे पुलिस हिरासत में हैं।
और छत्तीस घंटे पूरे होने में सिर्फ तीन घंटों का समय बाकी है। ज़हर का असर होना शुरू हो जाएगा, तुम देखती रहो!
प्लेन के उतरते ही, फ्रांस पुलिस ने हाईजैकरों को हिरासत में ले लिया था-
आपने इन हाईजैकरों को जिन्दा पकड़कर एक कमाल का दिखाया है मिस्टर ध्रुव, इन्होंने आपको भी कुछ नहीं बताया, पर हमारे पास ज़ुबान खुलवाने के कुछ अचूक तरीके हैं!..
.. बस इनसे उगलवा... अरे इन... इनको क्या हुआ?
खों - खों!
इनके मुंह से तो खून आ रहा है!
अब ये दोनों नहीं बचेंगे। तीन घंटे के अन्दर-अन्दर ये मृत हो जाएंगे।
कहीं पुलिस डॉक्टर ने इनको बचा लिया तो?
इस ज़हर की काट दुनिया का कोई डॉक्टर नहीं जानता,...
.. इनको मरने से सिर्फ मैं ही बचा सकता हूं! और यह मैं करूंगा नहीं!

चलो, ये समस्या तो सुलझ गई लेकिन असली समस्या तो वहीं की वहीं है। ध्रुव अभी भी जिन्दा है, और फ्रांस तक पहुंच गया है!
जल्दी ही वह अन्तोन भी पहुंच जायेगा फिर हमारे रूपने उसका स्वागत करने के सिवाय और कोई रास्ता नहीं बचेगा.
और इस बार मैं खुद उसके मारने का इन्तजाम करूंगा।
व्यक्तिगत रूप से.
ठीक है। तुम उसका तो वैसे भी कुछ नहीं कर सकते क्योंकि ध्रुव पुलिस के साथ है!
अब मुझे भी वह काम करने जाना है, जिसके लिए मैं और जिबला स्वलतोर से पेरिस आए हैं!
पेरिस स्थित 'हिमेस म्यूजियम' से एक नायाब अविष्कार उड़ाने के लिए!
और जब वह अपने बाप रघुवंशी के बारे में पूछेगा तो क्या जवाब दोगी?
लड़की की हरकत का क्या कारण था, यही नहीं, ध्रुव को मरना ही होगा!
ध्रुव इस बात से अनजान था कि इस षड्यंत्र के सूत्रधार उसके करीब ही थे, और उसी में लटके जाने थे-
आपको हमारे साथ पुलिस हेडक्वार्टर तक चलना होगा मिस्टर ध्रुव, वहां आपका बयान लेना चाहते हैं!
चलिए! मैं तो वैसे भी फ्रांस आया ही हूं, पुलिस की मदद लेने के लिए।
और फिर- पेरिस स्थित फ्रेंच पुलिस के हेडक्वार्टर में-
और इस तरह से आपने उन दोनों अपहरणकर्ताओं को काबू में कर लिया।
लेकिन ये दोनों आपको मारना क्यों चाहते थे मिस्टर ध्रुव?
यह तो फिलहाल मैं खुद भी नहीं जानता इंस्पेक्टर!
लेकिन अगर मैं आपके कमिश्नर से मिल सकूं तो काफी कुछ जान सकता हूं...
...मिस?
हां, मेरा नाम मेरी जैनेट है!
और अभी अभी मेरे कंप्यूटर पर मैसेज आया है कि कमिश्नर साहब खुद आपसे मिलना चाहते हैं
आइए, मैं खुद आपको उनके पास ले चलती हूं!

वेलकम, ध्रुव!
FILE 15062
DELETED
ओह, किसका हो सकता है यह काम?
FILE DELETED

लेकिन रघुवंशी में तुम्हारी इतनी दिलचस्पी क्यों है? कौन लगता था वह तुम्हारा?
PARIS
उसी वक्त- पेरिस में कहीं-

और उस रात- ध्रुव के पास फिर एक सूचना आई-
आपके लिए कोई एक लैटर छोड़ गया है सर।
और इस जिन्दगी और मौत के संघर्ष पर लाखों का सट्टा लगता था। आज भी 'ब्लैक डेथ' में हड्डियों के चटकने की आवाज गूंज रही थी-

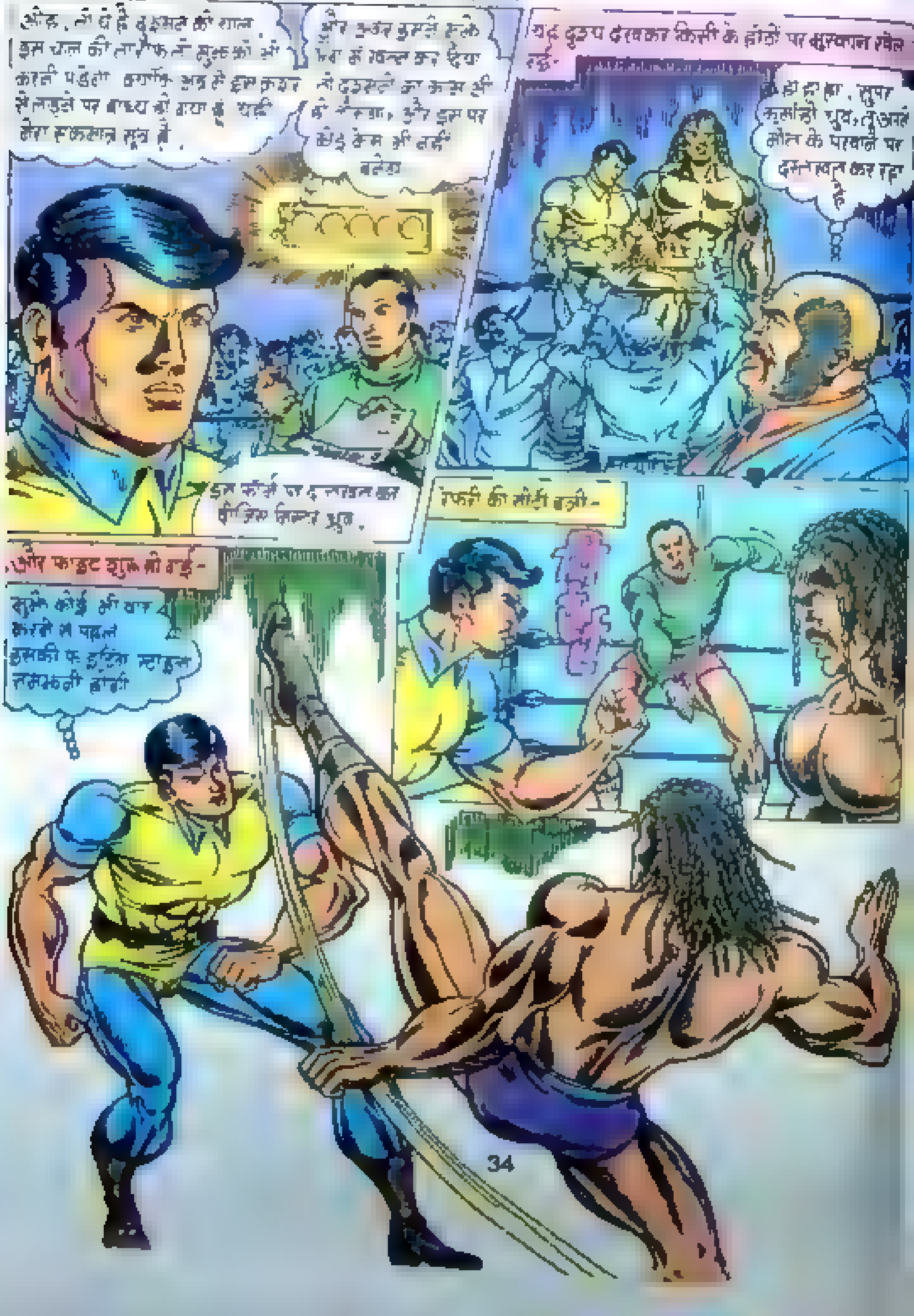
यह दृश्य देखकर किसी के होंठों पर मुस्कान खेल गई -
हा हा हा, सुपर कमांडो ध्रुव, तू अपनी मौत के परवाने पर दस्तखत कर रहा है
रेफरी की सीटी बजी -
और फाइट शुरू हो गई -

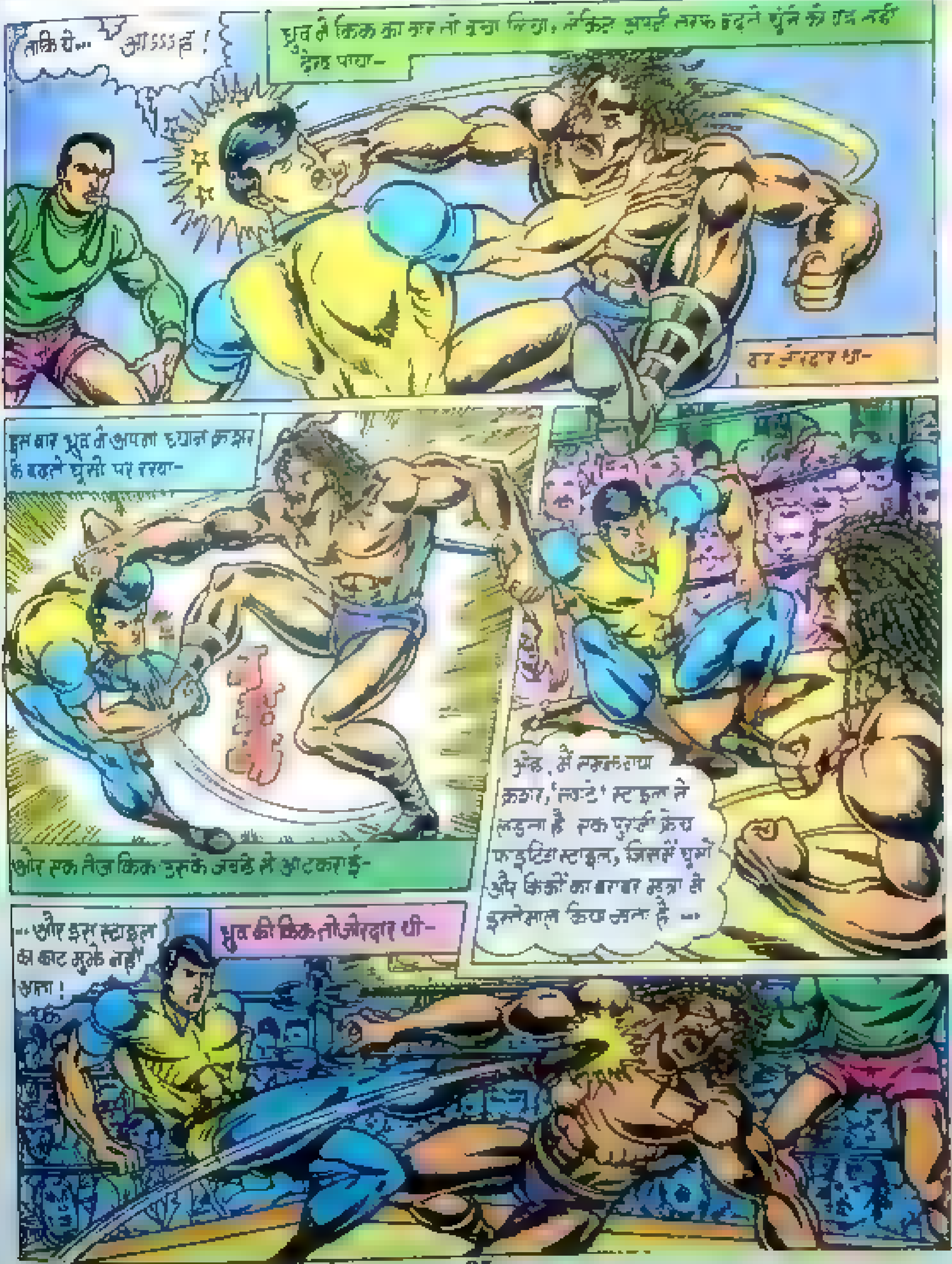
ध्रुव ने किक का वार तो बचा लिया, लेकिन अगले ही पल उड़ते घूंसे को वह नहीं देख पाया–
ताकि ये... आऽऽऽह !
वार जोरदार था–
इस बार ध्रुव ने अपना ध्यान किक्स के बदले घूंसों पर रखा–
और एक तेज किक उसके जबड़े से आ टकराई–
ओह, मैं एकदम भूल गया था, 'सवाते' स्टाइल से लड़ना है एक पूर्ण फ्रेंच फाइटिंग स्टाइल, जिसमें घूंसों और किकों का बराबर मात्रा में इस्तेमाल किया जाता है...
...और इस स्टाइल का काट मुझे नहीं आता !
ध्रुव की किक तो जोरदार थी–

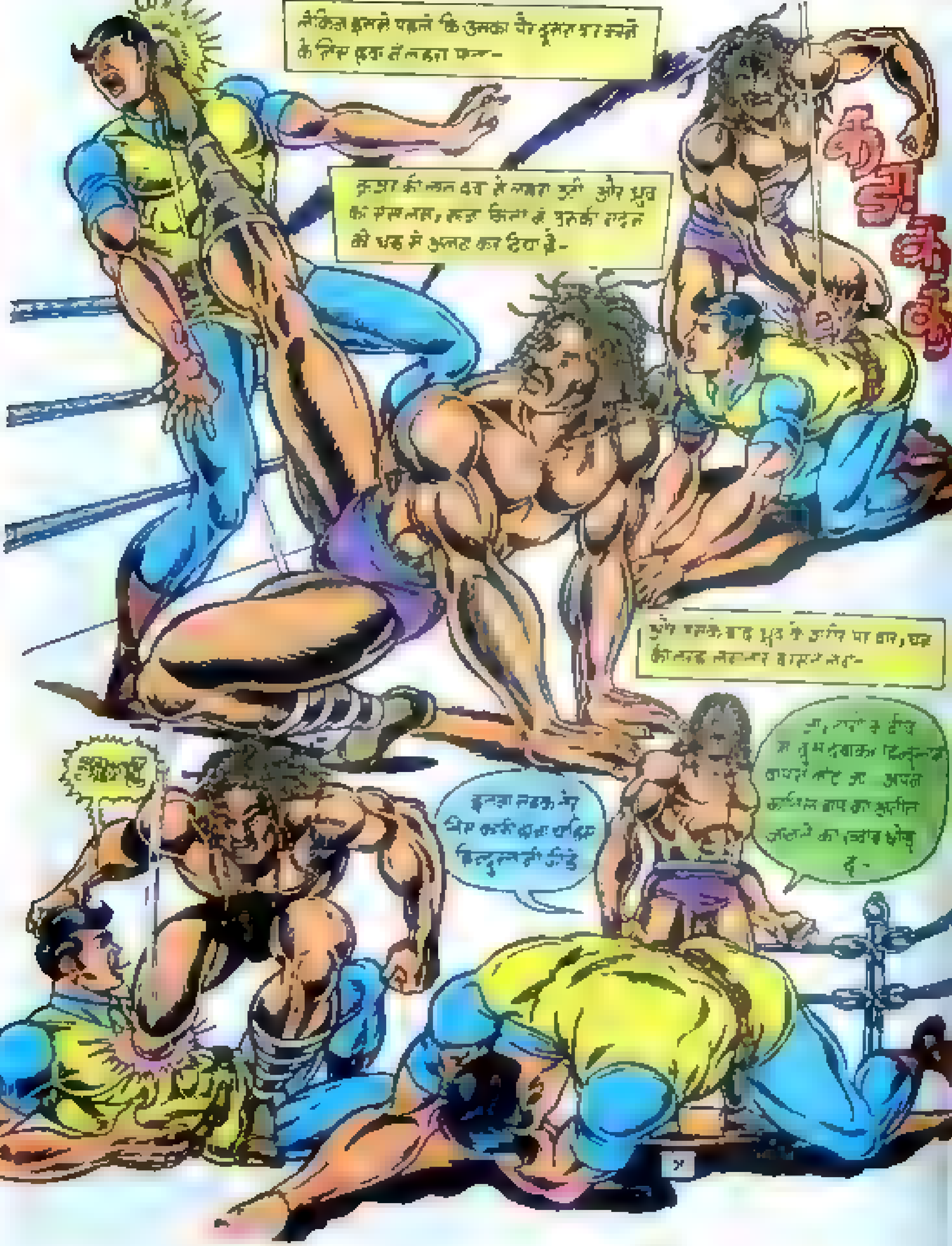
लेकिन इससे पहले कि उसका वो दूसरा वार

EXIT

... और फिर उनको दुनिया भर के आतंकवादी संगठनों के हाथों में बेचना था!

उस दिन रघुवंशी ने इंस्पेक्टर का खून ले जमीन पर बहा दिया, पर वह यह नहीं जानता था कि मरने से पहले वह खून मेरी रगों में दौड़ना शुरू हो गया था, वह इंस्पेक्टर मेरे पिता थे, और उस वक्त मैं अपनी माँ की कोख में थी..
और फिर वे कभी वापस नहीं आए।
...और फिर मेरे आगे में यह पता चला कि इंसाफ का रघुवंशी मर चुका है... लेकिन उसकी चुकाने के लिए तुम्हें छोड़ गया। और इसलिए मैं आज तुम्हें नर्क में भेजकर अपने पिता को श्रद्धांजलि दूंगी और अपने दिल की आग बुझाऊंगी!
ओह, अगर तुम इतना कुछ जानती हो तो रघुवंशी का पता भी जरूर जानती होगी!

लेकिन ध्रुव को
ओह
बचाओ!

... वह स्केट बोर्ड वाला बच्चा
और और इसके बीच की दूरी बढ़ती जा रही है।

DEFENCE

मुझे अन्दर जाने दो.

अरे! यह तो वही मोटरसाइकल है, जिस पर वह लड़की...
अरे! यह 'ब्लिंप' हवा में उड़कर पूर्व की तरफ जा रहा है, जबकि ... बता रहा है कि हवा 'पश्चिम' की तरफ चल रही है ...★

★ ब्लिंप (BLIMP) =

...क्योंकि जब तक मेरे पास सही मत का कोई ठोस सबूत नहीं होगा, तब तक फ्रांसीसी पुलिस मेरी बात पर भरोसा नहीं करेगी
ध्रुव का ख्याल गलत नहीं था–
'जिंगल' फिलिप से एफिल टॉवर पर उतर रहा था–
वह रहा! लेकिन मैं इसके पीछे आने का इन्तजार नहीं करूँगा.

चुपचाप का काम वही करता है जिसके दिल में चोर हो जिरगा...
...लेकिन तुम तो सब चोरों के चोर हो.
तुम्हारी बातों से ऐसा लग रहा है कि तुम मेरे बारे में काफी कुछ जानते हो. पर कैसे?

इसके सचमुच बड़ा अचरज है किंतु यहां तक मेरे पीछे-पीछे पांच। ... लेकिन शायद एक-रोज की इच्छा नहीं है...
हाथों से निकले

और इसके निकलने की कोशिश कर पाने से पहले ही -
ध्रुव इस पर पूरी तरह से टूट पड़ा था
इसको ले जाने की कोई ज़रूरत नहीं है ध्रुव बेटे...
मैं यहीं पर आ गया हूं
कमिश्नर साहब ! ओ थैंक गॉड, आप भी पीछा करते करते यहां तक आए होंगे !
नहीं, बेटे ! मेरा यहां पर इस वक्त आना तो बहुत पहले से ही तय हो चुका था...
क्योंकि 'जिंस' के इन से उलझने के बाद...
...तुम्हें भी इसे एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना था...
क्या !
यानी... यानी तुम इस अपराधी से मिले हुए हो !
ठीक समझे

क्योंकि मैं तुम्हारे जैसा मूर्ख नहीं हूँ, जो तुमको 'कज़ार' के हाथों मरवाने की मामूली योजना तक को अंजाम न दे सका!
जानते थे? अरे, उनमें से कई योजनाएं तो मैंने खुद बनाई हुई थीं!
यहाँ से निकल लो...
दरअसल सिर्फ तुमको मारने की नहीं, बल्कि तुम्हारे बाप को मारने की योजना भी मैंने ही बनाई थी.

... वह तुम्हारे बाप रघुवंशी का गहरा दोस्त भी था। उसको न जाने कहां से जिवला के ठिकाने के बारे में जानकारी हाथ लग गई। उसने मुझसे जिवला के अड्डे पर रेड करने के लिए एक पुलिस पार्टी तैयार करने को कहा...
रघुवंशी की मदद क्यों?
वह कैसे मदद कर सकते थे?
पच्चीस साल पहले मैं इन्स्पेक्टर था और अब तरक्की करते करते कमिश्नर बन गया हूं
नहीं कमिश्नर.

हां, वेदा! तुम्हारी साजिश की तलाश में मैं ध्रुव को अपना अपराधी मानकर उसका पीछा कर रही थी लेकिन ध्रुव का पीछा करने की वजह से ही मुझे तुम्हारा पता चल गया ...और अब बचने की सारी उम्मीदें छोड़ दो...

अब तेरे अपने पापों को गिनने और अपने साथियों का बदला चुकाने के दिन आ गए हैं कमिश्नर!
ध्रुव का वार कमिश्नर को काफी ज़ोर से लगा था–
तड़
कमिश्नर न तो वेरा को दूसरा वार करने की मोहलत दे पाया और न ही ध्रुव को–
ये तो बड़ा कमज़ोर निकला! एक ही वार में बेहोश हो गया!
खैर, इसको तो पांच मिनटों के अन्दर पुलिस वाले आकर ले ही जाएंगे। पर तुमने मुझे कैसे पहचान लिया ध्रुव?
जब मैं तुम्हारा पीछा करते करते लैब तक पहुंचा तब तक मैंने तुमको नहीं पहचाना था। लेकिन जब तुमने वेरा के रूप में मुझे उठाकर बैरियर के पार फेंक दिया तो मैं तुम्हारी फाइटिंग स्टाइल को पहचान गया।
और जब मिनटों के बाद मैंने बगल में खड़ी मोटर साइकिल देखी तो मेरा रहा-सहा शक भी दूर हो गया।
मैं समझ गया कि तुम ही फुर्ती से अपना वेष बदलकर घटना-स्थल पर आ गई हो!
मैं बेकार ही अपने-आपको ज़्यादा चालाक समझ रही थी।
जबकि तुम... ओह!
बचो वेरा!
ध्रुव ने वेरा को तो उस किक से बचा लिया...
...मगर खुद नहीं बच पाया–

नीचे गिरते हुए भी ध्रुव ने अपने होशोहवास कायम रखे-
अब भी बचने का एक रास्ता खुला हुआ है। जिस स्टार लाइन से मैं ऊपर चढ़ा था, वह अभी भी टॉवर से लटक रही है। अगर मैं अपने गिरने की दिशा ज़रा भी बदल सकूं तो स्टार लाइन मेरे हाथ में आ सकती है।
लेकिन अपनी पूरी कोशिशों के बाद भी ध्रुव, स्टारलाइन तक नहीं पहुंच पाया-
ये कोशिश बेकार है। ये टॉवर नीचे से चौड़ी होती जाती है। किसी तरह इसके किसी कोने को ही पकड़ना होगा...
...वर्ना मेरा बच पाना असंभव। अरे! यह क्या? यह तो काकातुआ है!
कुछ ही पलों बाद, स्टारलाइन ध्रुव के हाथ में थी-
शाबाश, काकातुआ! तू मेरे पीछे पीछे यहां तक शायद मेरी जान बचाने के लिए ही आया है!
ध्रुव की जान तो बच गई थी-
लेकिन बेला की जान, खतरे में पड़ गई थी-
तू क्या समझती है, लड़की?...

...मैं तुम दोनों को सच्चाई बताने के बाद जिन्दा छोड़ दूंगा? नहीं! कभी नहीं!
नहीं!
तू एक बार गिरकर बच गया है ध्रुव! लेकिन किस्मत हर बार साथ नहीं देती!
अब मैं तेरी स्टार लाइन के साथ-साथ तेरी जिंदगी की डोर भी काट दूंगा!
ध्रुव समय रहते ... तक नहीं पहुंच सकता था–
लेकिन कोई और ... तक पहुंच सकता था–
टांय
आऽऽह!

और ध्रुव की तरह, उसको बीच में रोक लेने के लिए कोई चीज नहीं थी-
और उधर-
ओह! तुम बच गए ध्रुव? शुक्र है भगवान का!
भगवान के साथ साथ काकातुआ का भी शुक्रिया अदा करो बहन! लेकिन तुम तो ठीक हो न?
आज से ज्यादा ठीक मैं कभी नहीं थी। आज मेरा बदला पूरा हो गया। ठंडक पड़ गई मेरे दिल को!
ओह! एक बात तो मैं तुमसे पूछना भूल गया बहन! उस पेजर पर ऐसा क्या मैसेज आया था, जो तुम तुरंत गैम्बलिंग डेन से भाग खड़ी हुई थी?
हमारी पुलिस फोर्स में हर पुलिस वाले के पास पेजर रहता है। ताकि अगर कार-फोन से किसी कारण संपर्क न हो सके तो पेजर के ज़रिए सूचना दी जा सके। मेरे पेजर पर लैब पर जिवला के अटैक का ही मैसेज आया था।
और हर पुलिस वाले को वहां पर पहुंचने की सख्त ताकीद की गई थी। इसीलिए मुझे तुरन्त भागना पड़ा।
ओह! समझा! लेकिन कमिश्नर की मौत के साथ साथ मेरे समझने के सारे रास्ते बन्द हो गए हैं। अब मैं उन लोगों तक कैसे पहुंचूंगा, जिन्होंने मेरे पिता को फंसाने का षड्यंत्र रचा!
मैं अब भी तुम्हारी इस्टेट को ढूंढ सकती हूं ध्रुव! शायद इसी तरह से मैं तुम्हारा एहसान चुका सकूं!
तुम ठीक कहती हो। और अब तो काकातुआ भी हमारे साथ है। अब मुझे मेरी मंज़िल मिलकर ही रहेगी!